

न्यायालय संभागीय आयुक्त, बीकानेर संभाग, बीकानेर  
पीठासीन अधिकारी श्रीमति वन्दना सिंघवी आई ए एस



अपील संख्या: 03/2016 राजस्थान नगर सुधार अधिनियम 1959

GCMS No. 2016/00130

1. पुरुषोत्तम सिंघी पुत्र श्री रामचंद्र सिंघी जाति सिंघी, निवासी बी-3 नागणेशी विस्तार योजना, बीकानेर।

— अपीलान्त

**बनाम**

1. नगर विकास न्यास बीकानेर जरिये सचिव नगर विकास न्यास, बीकानेर।
2. तहसीलदार, नगर विकास न्यास, बीकानेर।
3. डॉ. पी.आर ओझा पुत्र श्री नाम नामालूम जाति ओझा निवासी ड्यूप्लेक्स कॉलोनी (हाउसिंग बोर्ड के पास) बीकानेर।
4. डॉ. के. के. वर्मा पुत्र श्री नाम नामालूम जाति वर्मा, निवासी ड्यूप्लेक्स कॉलोनी बीकानेर।
5. एस एन जोशी पुत्र श्री नाम नामालूम जाति जोशी निवासी ड्यूप्लेक्स कॉलोनी बीकानेर।
6. संतोष कुमार शर्मा पुत्र श्री नाम नामालूम जाति शर्मा निवासी ड्यूप्लेक्स कॉलोनी बीकानेर।
7. ओमप्रकाश शर्मा पुत्र श्री नाम नामालूम जाति शर्मा निवासी ड्यूप्लेक्स कॉलोनी बीकानेर।
8. श्याम देवड़ा पुत्र श्री नाम नामालूम जाति देवड़ा निवासी ड्यूप्लेक्स कॉलोनी बीकानेर।
9. राम पारीक पुत्र नाम नामालूम जाति पारीक निवासी ड्यूप्लेक्स कॉलोनी बीकानेर।
10. आवासीय अभियंता राज. आवासन मंडल खण्ड प्रथम, बीकानेर।

— रेस्पोंडेंट्स

उपस्थित: श्री अनिल आचार्य	— अभिभाषक अपीलांत
श्री दाऊलाल हर्ष	— अभिभाषक रेस्पोंडेंट संख्या 1 व 2
श्री चतुर्भुज सारस्वत	— अभिभाषक रेस्पोंडेंट संख्या 3 ता 9
श्री गुलशन शर्मा	— अभिभाषक रेस्पोंडेंट संख्या 10

**निर्णय**

दिनांक 11.06.2024

यह अपील राजस्थान राजस्थान नगर सुधार अधिनियम 1959 की धारा 90-क(2) के अन्तर्गत तहसीलदार नगर विकास न्यास बीकानेर के निर्णय दिनांक 18.11.2015 के विरुद्ध प्रस्तुत हुई है। अपील के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार हैं कि -

1- वादग्रस्त भूमि का पट्टा अपीलांत की पत्नी स्व. राजकुमारी पुत्री गोविन्दराम के नाम से दिनांक 17.11.79 को जारीशुदा है। ड्यूप्लेक्स कॉलोनी के निवासीयों ने अपीलांत के द्वारा वादग्रस्त भूखण्ड के पीछे सड़क पर अतिक्रमण करने के संबंध में शिकायत प्रस्तुत की गई, जिस पर कार्यवाही करते हुए नगर विकास न्यास बीकानेर द्वारा नोटिस जारी किया। अपीलांत द्वारा नोटिस के जवाब नहीं दिये जाने पर तहसीलदार नगर विकास न्यास बीकानेर ने अपने आदेश दिनांक 18.11.2015 में अपीलांत को अतिक्रमी घोषित करते हुए अतिक्रमित क्षेत्र खाली करने के आदेश प्रदान किये। तहसीलदार नगर विकास न्यास बीकानेर के अपीलाधीन आदेश दिनांक 18.11.2022 से व्यथित होकर अपीलांत ने इस न्यायालय में अपील प्रस्तुत की।

2- विद्वान अभिभाषक अपीलांत ने अपनी बहस में कथन किया है कि वादग्रस्त भूमि का अपीलांत की पत्नी स्व. राजकुमारी पुत्री गोविन्दराम के नाम से दिनांक 17.11.79 को जारीशुदा

संभागीय आयुक्त  
बीकानेर



पट्टा है। अपीलान्त की पत्नी स्व. राजकुमारी ने अपने जीवन काल में वर्ष 1979-80 में निर्माण करवाया था। अपीलान्त द्वारा न तो कोई भवन का निर्माण कराया है और ना ही नगर विकास न्यास के रिकॉर्ड में अपीलान्त के नाम से पट्टा जारी है। अपीलान्त के निर्माण के विरुद्ध नगर विकास बीकानेर में शिकायत प्रस्तुत हुई। नगर विकास न्यास द्वारा शिकायत पर कार्यवाही करते हुए नोटिस जारी किया, जो अस्पष्ट गलत व अधूरा है। नोटिस ड्यूप्लेक्स कॉलोनी के बाबत जारी है, जिसका मालिक अपीलान्त नहीं है ना ही नोटिस में कोई सीमाएँ, आसा पासा अंकित है। ड्यूप्लेक्स कॉलोनी बीकानेर की भूमि पर अपीलान्त का कोई निर्माण नहीं है और ना ही ड्यूप्लेक्स कॉलोनी निवासी है। अपीलान्त बी 03 नागणेची विस्तार योजना बीकानेर में निवास करता है। तहसीलदार नगर विकास न्यास द्वारा अपीलान्त को सुनवाई को मौका भी नहीं दिया। अतः अपीलान्त आदेश दिनांक 18.11.2015 निरस्त किया जाकर अपील अपीलान्त स्वीकार की जावे। अभिभाषक अपीलान्त द्वारा अपनी बहस में डीएनजे(राज) 2000-01 पेज नंबर 113 के न्यायिक दृष्टान्त का हवाला दिया है।

3- विद्वान अभिभाषक रेस्पोंडेंट संख्या 1 एवं 2 ने बहस के दौरान कथन किया कि नगर विकास न्यास बीकानेर द्वारा पूर्ण विधिवत प्रक्रिया अपनाते हुए अपीलान्त आदेश दिनांक 18.11.2015 जारी किया है। नगर विकास न्यास बीकानेर को वादग्रस्त जायदाद से अतिक्रमण हटाने का क्षेत्राधिकार है। अतः अपील अपीलान्त निरस्त की जावे।

4- विद्वान अभिभाषक रेस्पोंडेंट संख्या 3 ता 9 बहस के दौरान अनुपस्थित रहे।

5- विद्वान अभिभाषक रेस्पोंडेंट संख्या 10 ने बहस के दौरान कथन किया कि आवासन मण्डल की ड्यूप्लेक्स कॉलोनी शास्त्री नगर के पीछे है। अपीलान्त सहित शास्त्री नगर के आवंटियों ने नगर विकास न्यास के नियमों के विरुद्ध ड्यूप्लेक्स कॉलोनी की तरफ जल-मल निस्तारण, जल-विद्युत कलेक्शन आदि अवैध कार्य किए हैं, साथ ही शास्त्री नगर आवंटि अपने भूखण्ड के पीछे यानि ड्यूप्लेक्स कॉलोनी की तरफ अवैध रूप से दरवाजे व खिड़किया, छज्जे, बॉलकोनी एवं रेम्प बनाकर आवासन मण्डल की इन्टरनल रोड पर कब्जा कर मात्र 25 फिट रोड को और संकड़ा कर रहे हैं, जबकि युआईटी ने उन्हे 40 फिट रोड एवं जल-मल निस्तारण का सिस्टम दे रखा है। अतः अपील अपीलान्त निरस्त की जावे।

6- हमने अधीनस्थ न्यायालय का उपलब्ध अभिलेख तथा उभय पक्ष की बहस का ध्यान पूर्वक अवलोकन एवं मनन किया। अभिभाषक अपीलान्त ने प्रार्थना धारा-5 मियाद अधिनियम एवं न्यायिक दृष्टान्त प्रस्तुत कर अपील को अन्दर मियाद शुमार किये जाने का निवेदन किया। अभिभाषक अपीलान्त द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों एवं न्यायिक दृष्टान्त को मध्यनजर रखते हुए अपील अपीलान्त को मियाद में शुमार किया जाता है। तहसीलदार नगर विकास न्यास बीकानेर ने अपीलान्त आदेश दिनांक 18.11.2015 स्वीकृत मानचित्र के अलावा किए गए कार्यों के लिए अपीलान्त को अतिक्रमी माना है, जो न्यायोचित है। तहसीलदार नगर विकास न्यास बीकानेर द्वारा पारित आदेश दिनांक 18.11.2015 में किसी प्रकार का हस्तक्षेप करना उचित नहीं समझते। अतः तहसीलदार नगर विकास न्यास बीकानेर के अपीलान्त आदेश दिनांक 18.11.2015 को यथावत रखते हुए अपील अपीलान्त इसी स्तर पर खारिज की जाती है।

7- तदनुसार अपील अपीलान्त निर्णित होकर नम्बर से कम हो। निर्णय की प्रति अपील पत्रावली में शामिल की जाकर पत्रावली सुव्यवस्थित रखी जावे। निर्णय आज दिनांक 11.06.2024 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(वंदना सिंघवी)

संभागीय आयुक्त  
बीकानेर